Signature of Invigilators

1. .....

2. .....

Roll No. | | | | | |

(In figures as in Admit Card)

# HINDI

## Paper III

Roll No. .....

.....

(In words)

# D—0502

Name of Areas/Section (if any) .....

Time Allowed : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Maximum Marks : 200

**Instructions for the Candidates**

1. Write your Roll number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices are prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

**પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :**

૧. આ પૃષ્ઠના ઉપલા ભાગે આપેલી જગ્યામાં તમારી ક્રમાંક સંખ્યા (રોલ નંબર) લખો.

૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.

૩. ટૂંક નોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.

૪. અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.

૫. આ ઉત્તરપોથીને અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.

૬. આ ઉત્તરપોથીમાં કયાંય પણ તમારી ઓળખ કરાવી દે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોકકસ નિશાની કરી હશે તો તમે આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક સાબીત થશો.

૭. કેલકયુલેટર અથવા ઈલેકટ્રોનિકસ સાધનો જેવા ઉપયોગ કરવો નહીં.

૮. નકારાત્મક ગુણાંક પદ્ધતિ નથી.

૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તરપોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈપણ પ્રશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

**FOR OFFICE USE ONLY**
**Marks Obtained**

| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | | | |
| 2 | | | | | |
| 3 | | | | | |
| 4 | | | | | |
| 5 | | | | | |
| 6 | | | | | |
| 7 | | | | | |
| 8 | | | | | |
| 9 | | | | | |
| 10 | | | | | |
| 11 | | | | | |
| 12 | | | | | |
| 13 | | | | | |
| 14 | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | | | |

Total Marks Obtained.....
Signature of the co-ordinator.....
(Evaluation)

SEAL

# HINDI
# हिन्दी
## Paper—III
## प्रश्न-पत्र—III

**नोट :—** इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड ('अ' एवं 'ब') हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

## खण्ड 'अ'

**नोट :—** इस खण्ड में **दस** लघु निबंधात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **16** अंक हैं, जिनका उत्तर लगभग **तीन-सौ** शब्दों में दीजिए ।

1. "कबीर का काव्य, काव्य-कला के निकष पर भी खरा उतरता है ।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

'भाषा भणिति भूति भलि सोई
सुरसरि सम सब कहँ हित होई'
गोस्वामी तुलसीदास की उपर्युक्त उक्ति के आधार पर उनकी काव्य-दृष्टि को स्पष्ट कीजिए ।

2. "केशवदास कवि से अधिक आचार्य हैं ।" केशवदास के विषय में कहे गए इस कथन की युक्तियुक्तता पर विचार कीजिए ।

**अथवा**

बिहारी की बहुज्ञता उनके काव्योत्कर्ष में कहाँ तक सहायक सिद्ध हुई है ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

3. भारतीय स्वाधीनता-आन्दोलन से छायावादी कविता का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

प्रगीतकार कवि के रूप में महादेवी वर्मा की कवि-प्रतिभा पर प्रकाश डालिए ।

4. "समकालीन कविता काल-संसक्ति और लोक-संसक्ति की कविता है ।" चर्चा कीजिए ।

**अथवा**

"अज्ञेय और मुक्तिबोध भिन्न संवेदनाओं के कवि हैं ।" इस कथन को अज्ञेय और मुक्तिबोध की कविताओं के साक्ष्य पर समझाइए ।

5. संवेदना और शिल्प के क्षेत्र में प्रेमचन्दोत्तर कहानी का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए ।

**अथवा**

" 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में इतिहास और संस्कृति का सुभग समन्वय है ।" इस कथन पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

6. "प्रसादोत्तर नाटक आधुनिकता बोध से संपृक्त तो है ही, वह प्रयोगधर्मी भी है ।" प्रमुख नाटकों और नाटककारों के साक्ष्य पर इस कथन को पुष्ट कीजिए ।

**अथवा**

"इस पुस्तक में मेरी अंतर्यात्रा के कुछ प्रदेश हैं । यात्रा के लिए निकली है बुद्धि पर हृदय को साथ लेकर ।" अपने निबंधों के विषय में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इस उक्ति की परीक्षा कीजिए ।

7. संस्कृत आचार्यों की काव्य-प्रयोजनविषयक मान्यताओं की समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

मार्क्सवादी समीक्षा को रामविलास शर्मा के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

8. आई. ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण-सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

उदात्त की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए लौंजाइनस के अनुसार काव्य में उसकी स्थिति की विवेचना कीजिए ।

9. संदर्भ-सहित निम्नलिखित काव्य-अवतरण की व्याख्या कीजिए :

नारि बिबस नर सकल गोसाईं । नाचहिं नट मर्कट की नाईं ॥
सूद्र द्विजन्ह उपदेसहिं ग्याना । मेलि जनेऊ लेहिं कुदाना ॥
सब नर काम लोभ रत क्रोधी । देव विप्र श्रुति संत विरोधी ॥
गुन मंदिर सुंदर पति त्यागी । भजहिं नारि परपुरुष अभागी ॥
सौभागिनी विभूषन हीना । विधवन्ह के सिंगार नवीना ॥
गुरु सिष बधिर अंध का लेखा । एक न सुनइ एक नहिं देखा ॥
हरइ सिष्य धन सोक न हरई । सो गुर घोर नरक महुँ परई ॥
मातु-पिता बालकन्हि बोलावहिं । उदर भरै सोइ धर्म सिखावहिं ॥

**अथवा**

देखते हुए निष्पलक याद आया उपवन
विदेह का—प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन
नयनों का—नयनों से गोपन-प्रिय संभाषण
पलकों का नवपलकों पर प्रथमोत्थान-पतन
काँपते हुए किसलय, झरते पराग-समुदय
गाते खग नव-जीवन-परिचय-तरु-मलय-वलय
ज्योति : प्रपात स्वर्गीय-ज्ञात छवि प्रथम स्वीय
जानकी-नयन-कमनीय प्रथम कम्पन तुरीय ॥

10. संदर्भ-सहित निम्नलिखित गद्य-अवतरण की व्याख्या कीजिए :

फाँसी, दूसरों को शिक्षा देने के लिए । पर यह कैसी शिक्षा है कि जीवन के प्रति आदर-भाव सिखाने के लिए उसी की घोर हृदयहीन उपेक्षा का प्रदर्शन किया जाय । और इससे भी कभी कोई सीखा है.....मुझे तो फाँसी की कल्पना सदा मुग्ध ही करती रही है—उसमें सांप की आँखों-सा एक अत्यंत तुषारमय, किन्तु अमोघ सम्मोहन होता है, एक सम्मोहन, एक निमंत्रण, जोकि प्रतिहिंसा के इस यंत्र को भी कवितामय बना देता है, जोकि उस पर बलिदान होते हुए अभागे—या अतिशय भाग्यशाली !.....को जीवन की एक सिद्धि दे देता है और उसके असमय अवसान को भी सम्पूर्ण कर देता है ।

**अथवा**

मैं अविश्वास, कूटचक्र और छलनाओं का कंकाल ! कठोरताओं का केन्द्र ! आह, तो इस विश्व में मेरा कोई सुहृद नहीं !.....है, मेरा संकल्प ! अब मेरा आत्माभिमान ही मेरा मित्र है । और थी एक क्षीण रेखा.....वह जीवन-पट से धुल चली है !.....धुल जाने दूं ? सुवासिनी.....न, न, न, वह कोई नहीं । मैं अपनी प्रतिज्ञा पर आसक्त हूँ ।

## खण्ड 'ब'

**नोट :—** इस खण्ड में केवल एक प्रश्न 40 अंक का है, जिसका उत्तर लगभग **आठ सौ** शब्दों में दीजिए ।

### अनुभाग-क

### (भक्ति-काव्य)

11. "सूरदास ने अपने पदों में शृंगार के रसराजत्व को उसकी समग्रता में चरितार्थ किया है ।" सूर के शृंगार-चित्रण पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उक्त कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

***अथवा***

### अनुभाग-ख

### (छायावाद)

12. 'कामायनी' की आधुनिक संदर्भता को विशद करते हुए उसकी विश्व-दृष्टि की विवेचना कीजिए ।

***अथवा***

### अनुभाग-ग

### (कथा-साहित्य)

13. समकालीन कहानी के संवेदना एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य पर सोदाहरण विचार कीजिए ।

***अथवा***

### अनुभाग-घ

### (काव्यशास्त्र और आलोचना)

14. काव्यशास्त्रीय चिन्तन की परंपरा में सहृदय की अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।